QCA: 26(B)/I
HINDI: Paper-I
2014

Time: 3 hours **Maximum Marks: 250**

INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

1. There are **EIGHT** questions divided in Two Sections and printed in **Hindi**.
2. Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.
3. Questions No.s **1** and **5** are compulsory and out of the remaining. **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.
4. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
5. Answer must be written in the Devanagari script. No marks will be given for answers written in script other than Devanagari. Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
6. Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question Paper – cum – Answer Booklet.

SECTION-A

1. a) अपभ्रंश भाषा के उत्थान का ऐतहासिक कारण क्या है? क्षेत्रीय भेदों के आधार पर दक्षिणी अपभ्रंश पर प्रकाश डालिए । 25

b) देवनागरी - लिपि के उद्भव और विकास का विस्तृत वर्णन कीजिए । 25

2. हिन्दी भाषा की मुख्य क्षेत्रीय बोलियों तथा उप - बोलियों के विभाजन के आधार पर अवधी एवं 'ब्रज भाषा' बोलियों का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए । 50

3. हिन्दी रंगमंच और नाटक के स्वरूप एवं विकास का वर्णन करते हुए इनके प्रमुख सृजनात्मक चरणों पर विचार विमर्श कीजिए । 50

4. स्वतंत्रता - संग्राम में हिन्दी भाषा, राष्ट्र - भाषा के रूप में किस प्रकार विकसित हुई ? 50

SECTION-B

5. a) आदि काल की प्रमुख रचनओं का उल्लेख करते हुए 'पृथ्वीराज - रासों' में व्यक्त वीर - रस का वर्णन कीजिए। 25

b) उच्च - स्तरीय हिन्दी भाषा में व्याकरण के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए । 25

6. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में वादों का उल्लेख करते हुए यथार्थ - वाद के आधार पर प्रेमचन्द के 'निर्मला' उपन्यास का भाव - विश्लेषण कीजिए । 50

7. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन करते हुए, भक्ति काल का विस्तृत वर्णन कीजिए । 50

8. हिन्दी साहित्य के आदि काल में अपभ्रंश भाषा का संबंध बताते हुए अपभ्रंश लोक गीतों एवं हिन्दी के मुक्तक काव्यों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए । 50

SECTION-A

1. a) प्रेमचन्द द्वारा लिखित 'गोदान' उपन्यास का सारांश लिखकर होरी का चरित्र चित्रण कीजिए । 25

b) तुलसीदास जी कृत रामचरित मानस के अयोध्याकांड की कथावस्तु विशेषतओं सहित लिखिए । 25

2. कबीरदास जी के व्यक्रिव और कृतित्व का परिचय देते हुए "गुरुदेव कौ अंग" सुमिरन कौ अंग, तथा विरह कौ अंग में विदित विषयों पर विचार - विमर्श कीजिए । 50

3. 'भ्रमरगीत - सार' की कथा और स्वरूप का परिचय देते हुए उद्धव-गोपिका-संवाद का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए । 50

4. 'कवितावली के उत्तरकांड' की कथावस्तु तुलसीदास जी के जीवन से संबंधित है । स्पष्ट कीजिए । 50

SECTION-B

5. a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के निबंध - संकलन चिन्तमणी से लिऐ गऐ भाव या मनोविकार का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए । 25

b) "मेरे ही कारण स्त्रियाँ स्वेच्छा-चारिणी नहीं हो पातीं" 'लज्जा सर्ग' के इस कथन के आधार भाव स्पष्ट कीजिए । 25

6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कृत अंधेर - नगरी नाटक द्वारा सामाजिक, धार्मिक तथा राजनैतिक अंधत्व पर तीव्र प्रहार किया गया है । इस कथन के आधार पर नाटक की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए । 50

7. जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' महा काव्य के आधार पर 'चिन्ता' एवं श्रद्धा सर्ग का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए । 50

8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला कृत 'राम की शक्ति पूजा' कविता का सारांश लिखकर श्री रामचन्द्र की दृढ़ भक्ति पर लेख लिखिए । 50